शराब की लत ने छीना जीवन, पत्नी और पुत्र बने हत्यारे

▶ तराना पुलिस ने 12 घंटे में सुलझाई हत्या की गुत्थी

तराना। शराब की लत किस तरह एक पूरे परिवार को बर्बादी के कगार पर पहुंचा सकती है। इसका दर्दनाक उदाहरण तराना क्षेत्र में सामने आया है। वर्षों से घरेलू कलह और प्रताड़ना का कारण बने एक व्यक्ति की हत्या उसकी ही पत्नी और पुत्र ने कर दी। हत्या के बाद शव को खाल में फेंककर मामले को दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया। लेकिन तराना पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश कर दिया।

जानकारी के अनुसार 1 जून को ग्राम कनासिया स्थित आमडी के खाल में एक व्यक्ति का शव पानी में तैरता हुआ मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना तराना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ की।

प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान मदनलाल पिता तोलाराम 35 वर्ष, निवासी ग्राम नायता पोलाय, जिला देवास के रूप में हुई।

पुलिस ने घटनास्थल, परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और परिजनों से पूछताछ के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच में सामने आया कि मृतक लंबे समय से शराब के नशे का आदी था तथा आए दिन घर में विवाद, मारपीट और झगड़े करता था। उसकी इस आदत से परिवार लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी तनाव और प्रताड़ना से परेशान होकर पत्नी और पुत्र ने एक साथ मिलकर मदनलाल पर पत्थर से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। हत्या के बाद दोनों ने शव को आमडी के खाल में फेंक दिया, ताकि घटना को सामान्य मौत या दुर्घटना का रूप दिया जा सके।

हालांकि तराना ने मामला शीघ्र ही उजागर कर दिया। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर मृतक की पत्नी सौरम बाई और पुत्र संजू सोलंकी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें हत्या की बात सामने आई।

इस सनसनीखेज मामले के खुलासे में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आलोक कुमार शर्मा के निर्देशन एवं एसडीओपी भविष्य भास्कर तराना के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामनारायण सिंह भदौरिया और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है।

विधायक पण्ड्या ने किया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का पुरूस्कार वितरण

बड़नगर। विधानसभा के ग्राम पंचायत बडगांवा में विधायक जितेन्द्र उदयसिंह पण्ड्या के आतिथ्य में 30 लाख से अधिक की लागत से विभिन्न विकास कार्यो का भूमि पूजन जन-जन की उपस्थिति में किया। पश्चात श्री संतोष स्पोर्टस क्लब बडगांवा द्वारा आयोजित स्व. श्री उदयसिंहजी पण्ड्या पूर्व विधायक की स्मृति में 17 वीं राज्य स्तरीय महिला पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर खिलाड़ियो सें आत्मीय भेंट कर विजेता/उपविजेता टीमों को पुरूष्कृत कर सम्मानित किया। और खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहां कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नही बल्कि अनुशासन, समर्पण, नैतृत्व श्रमता और टीम भावना का भी सशक्त मंच है। खेल प्रतिभाओं को आगे बढाने एवं युवाओं को

सकारात्मक दिशा प्रदान करने के लिये ऐसे आयोजनो की महत्वपूर्ण भूमिका है। आयोजन समिति खिलाड़ियों एवं समस्त खेल प्रेमियों को इस सफल आयोजन के लिये हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देता हूँ।

भूमि पूजन एवं राज्य स्तरीय महिला पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता के पुरूष्कार वितरण के अवसर पर गोविन्द गलगामा प्रतिनिधि जनपद सदस्य, गोपाल धाकड़ सरपंच मामा, म.प्र. कबड्डी संघ के सवरंक्षक मोहनसिंह चौहान, सचिव जे.सी. शर्मा, भरत चौधरी खेड़ावदा, राजीव मिश्रा, प्रहलाद धाकड़ व ग्रामीणजन एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

एक नजर में

महिला पर अत्याचार होता दिखे तो वीडियो मत बनाना, विरोध करना

उज्जैन। प्रत्येक स्त्री की सुरक्षा हम सभी का दायित्व है। अगर किसी बहन-बेटी पर कोई गलत नजर उठ रही है तो हमें तमाशा नहीं देखना है। उसका न्यायोचित विरोध करना है। नहीं तो हम भी कौरवों की सभा के हर एक मंत्री, संतरी, गुरुजन और दरबारी की तरह महापाप के भागी बनेंगे जो अपनी आंखों के सामने द्रोपदी का चीरहरण देखते रहे। यह बात अंकपात, मंगलनाम मार्ग स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में चल रही भागवत कथा के दूसरे दिन मंगलवार को धर्माचार्य पं. हरिनारायण शास्त्री ने द्रोपदी चीरहरण का वृतांत सुनाते हुए कही। उन्होंने कहा कि मां-बहन का अपमान होता है, हम फोटो-वीडियो बनाते हैं। यह महापाप है। विरोध करना महाभारत काल की तरह आज भी जरूरी है। पं. शास्त्री ने महिलाओं को सीख दी कि वे भी विधर्मियों से बचें और अपना मोबाइल नंबर हर किसी को देने से बचें। सिर्फ परिवार और सनातन में ही उनके लिए सुरक्षित माहौल है। मंदिर सेवक पं. वासुदेव शास्त्री ने बताया कि मंगलवार को यजमान ऋषि, चंद्रप्रभा, अलका-जगदीश, कुशाग्र विजयवर्गीय मनोज खंडेलवाल, राधेश्याम सोलंकी, श्यामबाबू सक्सेना, देवेंद्र यादव, रमेशचंद्र वर्मा आदि ने प्रारंभ में भागवत कथा का पूजन किया। जुआं खेलना आज भी पाप है, अगर इसमें राजा की आज्ञा हो (धृतराष्ट्र की तरह) तो उसे राज का भी नाश निकट है। पांरपरिक वेशभूषा कभी न त्यागें। धमक वर्दी की होती है, पहनने वाले की नहीं।

इंदौर की अनन्या राज्यपाल की एडीसी

इंदौर. 2022 बैच की आईपीएस अधिकारी अनन्या अवस्थी ने उड़ीसा के राज्यपाल हरी बाबू कंभमपति की एड-डी-कैंप (एडीसी) के रूप में कार्यभार संभाला. इसके साथ ही वह ओडिशा में इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली महिला अधिकारी बन गई हैं. अपनी नियुक्ति से पहले अवस्थी कटक अर्बन पुलिस डिस्ट्रिक्ट में सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) के पद पर कार्यरत थीं. अनन्या इंदौर की रहने वाली है और वह मध्य प्रदेश कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी आशुतोष अवस्थी की बिटिया है. नियुक्ति के बाद मीडिया से बातचीत में अवस्थी ने कहा पेशेवर रूप से यह जिम्मेदारी का एक महत्वपूर्ण पद है, जो मुझे बहुत अनुभव प्रदान करेगा. एक संवैधानिक पदाधिकारी की सेवा करना मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी दोनों की बात है. मुझे विश्वास है कि यह कई महिलाओं और युवा लड़कियों को सार्वजनिक सेवा के क्षेत्र में आने और अपने सपनों को बिना किसी डर के पूरा करने के लिए प्रेरित करेगा.

भक्ति में पवित्रता और श्रेष्ठता का भाव होना चाहिए

इंदौर. भगवान और भक्ति की प्राप्ति के तीन प्रमुख साधन, श्रवण, कीर्तन और नाम स्मरण बताए गए हैं. भगवान के यहां भी हम जैसा अर्पित करेंगे, वैसा ही हमें भी वापस मिलेगा. यह नहीं समझें कि कोई हमें देख नहीं रहा है। सूर्य, चंद्रमा, तारे और नक्षत्र हमारे कर्मों पर निगरानी रखते हैं, इसलिए अपने कर्मों, विशेषकर भक्ति में पवित्रता और श्रेष्ठता का भाव होना चाहिए. इनके बिना भक्ति का सृजन संभव नहीं है. भागवत पुराण यही संदेश देने वाला दुनिया का अनुपम ग्रंथ है. ये विचार हैं बुरहानपुर के प्रख्यात भागवताचार्य पं. आदित्य मुखिया के, जो उन्होंने सोमवार को श्री दशा नीमा पंचायत ट्रस्ट द्वारा मालगंज चौराहा स्थित नवश्रृंगारित धर्मशाला भवन पर ट्रस्ट के हीरक जयंती महोत्सव एवं पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में चल रहे भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में व्यक्त किए. कथा शुभारंभ के पूर्व सुशील नीमा, अनिल नीमा, महेश नीमा गामा, अजय जोहरी आदि ने व्यास पीठ का पूजन किया. विद्वान वक्ता की अगवानी सत्यनारायण नीमा, मंत्री कमल नीमा, राजेंद्र नीमा, सतीश नीमा मालक, गिरधर गोपाल नीमा, अशोक महेश नीमा आदि ने की. समाज की विभिन्न संस्थाओं की ओर से भी व्यास पीठ का पूजन किया. संयोजक सतीश नीमा मालक ने बताया कि कथा प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक होगी.

सनातन संस्कृति का अनमोल ग्रन्थ रामचरित मानस

इंदौर. रामकथा भारतभूमि की विलक्षण धरोहर है जिसमें आसुरी संस्कृति के समूल विनाश और प्राणी मात्र के संपूर्ण मंगल के मंत्र भरे पड़े हैं. भगवान का कोई वर्ण या जाति नहीं है. वे सबको प्यारे हैं और बिना किसी भेदभाव के अपने भक्तों का उद्धार करते हैं. भगवान के अवतार श्रेष्ठ प्रयोजन के लिए होते हैं. रामचरित मानस भारतीय सनातन धर्म-संस्कृति का अनमोल और प्रामाणिक ग्रंथ है। राम नाम और कथा, दोनों ही अमृत हैं. ये विचार हैं आचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री के, जो उन्होंने सोमवार को विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के मातृशक्ति प्रकोष्ठ की मेजबानी में प्रारम्भ हुई श्रीराम कथा में व्यक्त किए. कथा शुभारंभ के पूर्व विद्याधाम परिसर में रामचरित मानस एवं आचार्य पं. राहुल कृष्ण शास्त्री की शोभा यात्रा भी निकाली गई. नाचते गाते हुए भक्तों ने कथा स्थल पहुंचकर रामचरित मानस को व्यास पीठ पर सुशोभित किया जहाँ मातृशक्ति प्रकोष्ठ की ओर से मुख्य यजमान पुष्पा-अशोक शर्मा, साधना शर्मा, भारती शर्मा, पिंकी शर्मा, सरस्वती शर्मा, शशि शर्मा, कीर्ति जोशी, स्वाति शर्मा, जया शर्मा, हेमा शर्मा, प्रीति शर्मा, रंजना शर्मा, पूनम शर्मा एवं पूर्णिमा शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास के पदाधिकारियों ने व्यास पीठ का पूजन किया. प्रकोष्ठ की भारती शर्मा एवं पिंकी शर्मा ने बताया कि विद्याधाम परिसर में श्रीराम कथा का यह दिव्य आयोजन 7 जून तक प्रतिदिन शाम 3 .30 से 7 .30 बजे तक चलेगा.

संतवाणी से युवाओं का व्यक्तित्व विकास कर उन्हें बनाया जाएगा आत्मनिर्भर

उज्जैन। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं को स्वावलंबी और आत्मविश्वासी बनाने के उद्देश्य से संत वाणी व्यक्तित्व विकास एवं संस्कार केंद्र तथा संत शिरोमणि रविदास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। संतवाणी से व्यक्तित्व विकास, दक्षता एवं संस्कारों का निर्माण विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में प्रशिक्षकों को शासकीय योजनाओं और स्वरोजगार की विस्तृत जानकारी दी गई, ताकि वे गांवों में जाकर युवाओं को जागरूक कर सकें।

मुख्य अतिथि डॉ. शैलेन्द्र पाराशर ने कहा कि संतों की वाणी व्यक्ति, समाज और राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन की शक्ति रखती है। प्रत्येक व्यक्ति में स्वयं तथा समाज को बदलने की क्षमता विद्यमान है। जब व्यक्ति के संस्कार बदलते हैं, तब समाज भी स्वत: परिवर्तन की दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने प्रेरक उदाहरणों के साथ व्यक्तित्व और दक्षता विकास पर प्रशिक्षण दिया। श्याम पेंडारकर ने वर्तमान समय में कौशल आधारित प्रशिक्षण का महत्व समझाया और प्रशिक्षणार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए महू आमंत्रित किया।

अध्यक्षता फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जगदीश चौहान ने की। संचालन नरेंद्र चौहान ने किया तथा अंत में उपस्थित सहभागियों का आभार विजेंद्र और सुभाष पारेगी ने माना।

डॉ. महावीर खण्डेलवाल ने दिया सीपीआर का प्रशिक्षण

▶ खण्डेलवाल युवा संघ के स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर में 22 यूनिट रक्तदान

उज्जैन। खण्डेलवाल युवा संघ के तत्वावधान में रविवार को खण्डेलवाल भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें 100 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयां दी गई और 22 यूनिट रक्तदान हुआ।

शिविर में डॉ. महावीर खण्डेलवाल, डॉ. आयुष भटनागर, डॉ. मनमोहन शर्मा, डॉ. निखिल डाबरे, डॉ. लखन जाट, एएसजी आई हॉस्पिटल और आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज की ब्लड बैंक टीम ने अपनी नि:शुल्क सेवाएं प्रदान कीं। इस दौरान डॉ. महावीर खण्डेलवाल ने आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने के लिए सीपीआर तकनीक का प्रशिक्षण और लाइव डेमो दिया।

प्राधिकरण व भाजपा अध्यक्ष ने बढ़ाया युवाओं का उत्साह

उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी और भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने शिविर में पहुंचकर युवाओं के सेवा

कार्यों की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर 144 बार रक्तदान कर चुके समाज के वरिष्ठ रक्तदाता किशोर खण्डेलवाल और 100 से अधिक बार रक्तदान कर चुकीं किरण खण्डेलवाल का युवा संघ द्वारा विशेष सम्मान किया गया। उपस्थितजनों ने उनके सेवा भाव को युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। श्री विनायक वेलफेयर सोसायटी के चेतन अहिरवार द्वारा रक्तदाताओं को ग्लूकोज पैकेट वितरित किए गए। रक्तदान में विनीत मेंहदीरता का विशेष सहयोग रहा।

समाज के इन पदाधिकारियों व युवाओं की रही उपस्थिति

कार्यक्रम में सिद्धेश्वर दास, गोविंद खण्डेलवाल, अनिल सामरिया, गुलशन नाटाणी, मनीष खण्डेलवाल, राजेंद्र झालानी, राजेंद्र सोखिया, मनीष मेहरवाल, अर्पित गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता एवं अनिल गुप्ता विशेष रूप से मौजूद रहे।

युवा संघ के मार्गदर्शक अर्पित गुप्ता एवं रितेश नाटाणी के सान्निध्य में हुए इस आयोजन में रतनदीप सौखिया, संस्कार कुलवाल, चिराग खण्डेलवाल, अभिषेक कायथवाल, अभिषेक गुप्ता, अजय माली, अभिषेक सौखिया, मानस बडेरा, निशांत डंगायच एवं योगेश खण्डेलवाल उपस्थित थे। युवा संघ ने सभी चिकित्सकों, संस्थाओं और रक्तदाताओं का आभार माना।

स्व. डॉ. देवेन्द्र जोशी मरणोपरांत कलम क्रांति सम्मान से अलंकृत

उज्जैन। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर भारतीय ज्ञानपीठ महाविद्यालय के सभागार में विचार क्रांति साहित्य मंच द्वारा काव्य संध्या व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शहर के मूर्धन्य पत्रकार रहे स्व. डॉ. देवेन्द्र जोशी को मरणोपरांत कलम क्रांति सम्मान से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि डॉ. देवेन्द्र जोशी की पत्रकारिता ध्येयनिष्ठ और सोद्देश्य थी। उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के सूर्योदय उदंत मार्तंड और स्वाधीनता व सामाजिक चेतना में पत्रकारिता के योगदान को रेखांकित करते हुए डॉ. जोशी के कार्य आयामों पर प्रकाश डाला। अतिथि राजेंद्र नागर ने लघुकथा के माध्यम से डॉ. जोशी के उजले पक्ष को प्रस्तुत किया। वहीं पत्रकार नरेंद्र सिंह अकेला ने वर्तमान पत्रकारिता पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए डॉ. जोशी की स्पष्टवादिता को पत्रकारिता का सजग प्रहरी बताया और उनसे जुड़े रोचक संस्मरण साझा किए।

अध्यक्षता कवि सुगनचंद जैन ने की। इस दौरान सीमा देवेन्द्र ने भी अखबारों के साथ उनके जुड़ाव के पल साझा किए।

इस साहित्यिक आयोजन में साहित्यकारों और पत्रकारों ने पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए काव्यांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में अशोक भाटी, डॉ. अखिलेश चौरे, अशोक रक्ताले, तरुण उपाध्याय और आशा जोशी आदि प्रबुद्ध साहित्यकारों ने काव्यपाठ किया। शुभारंभ शारदा श्री द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। संचालन अनिल पांचाल ने किया तथा आभार खुशबू बाफना ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं व गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मंगल कलश स्थापना, ध्वजारोहण के साथ वर्धमान बाल युवा संस्कार शिविर का शुभारंभ

उज्जैन। श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वर्धमान उज्जैन द्वारा ऋषि नगर स्थित कालिदास मांटेसरी स्कूल में 2 से 7 जून तक चलने वाले वर्धमान बाल युवा संस्कार शिविर का समारोहपूर्वक शुभारंभ हुआ। यंग जैन स्टडी ग्रुप इंदौर के संस्थापक पं. प्रकाश छाबड़ा के निर्देशन में आयोजित इस शिविर का विधिवत उद्‌घाटन कलावती, अशोक और सुनील जैसवाल परिवार ने किया।

समारोह में आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्जवलन स्कूल के अध्यक्ष माणकलाल गिरिया, सचिव यशवंत जैन, आदिनाथ जिनालय ऋषि नगर के अध्यक्ष प्रमोद जैन, पार्षद आभा कुशवाह और संतोष व्यास ने किया। मंगल कलश की स्थापना स्नेहलता सोगानी, निर्मला, हितेष जैन, चेतन और अभिषेक जैन राणा द्वारा की गई तथा

ध्वजारोहण विजय व ममता पाटौदी ने किया।

वर्धमान ग्रुप के कोषाध्यक्ष आदिश विनायका एवं शिविर प्रभारी सलिल जैन ने बताया कि उद्‌घाटन सत्र के पूर्व बच्चों ने आदिनाथ जिनालय में देव दर्शन, अभिषेक और सामूहिक पूजन किया।

इस अवसर पर धर्मेंद्र सेठी, राजेश कुंभराज, सुरेश जैन, प्रदीप झांझरी, अकलंक जैन प्रमुख रूप से उपस्थित थे। संचालन तनु हितेष बड़जात्या ने किया एवं आभार प्रतीक चौधरी ने माना।

टैलेंट शो के आडिशन में हर उम्र के प्रतिभागियों ने दिखाया उत्साह

▶ ग्रेंड फिनाले 14 जून को

इंदौर. संगीत सेवा सहारा द्वारा क्रिश्चियन कॉलेज में आयोजित केकेसी टैलेंट शो में 180 से अधिक प्रतिभागियों ने आडिशन दिये. विभिन्न राउंड मे हुए ऑडिशन में मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखण्ड, गुजरात, महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से हर उम्र के लोगों ने उत्साह से भाग लिया.

आयोजक दीपक पाठक और रेखा रावल ने बताया कि देश के कलाकारों को आगे बढ़ाने के लिए यह आयोजन किया गया. पहले 2 राउंड के बाद सेमी फायनल के राउंड हुए जिसमे 76 प्रतिभागियों ने आडिशन दिये. सभी ने फिल्मी गीतों के मुखड़े और अंतरे गाकर अपनी प्रतिभा से जजेस को प्रभावित किया. अब सीजन 1 ग्रेंड् फिनाले आगामी 14 जून को होगा. ऑडिशन के सभी राउंड इंदौर मे होंगे, इसमें किसी भी उम्र के गायक कलाका भाग ले रहे है. प्रथम विजेता को 51,000 हजार एवं टीसीरिज मे लांचिंग, द्वितीय विजेता को 25,000 हजार, तृतीय विजेता को 11,000 हजार एवं रेड रिबन चैनल मे लांचिंग का अवसर प्रदान किया जायेगा.

एक नजर में ▶ **मन की आंखों से सुनाई दृष्टिहीन कवियों ने कविताएं**

कोई सूरज कोई तारा नहीं देखा, किस रंग का होता है उजाला नहीं देखा

इंदौर. कलमकार मंच एवं सत्य ज्योति फांउडेशन के द्वारा आयोजित दृष्टिबाधित कवि सम्मेलन में देश के जाने माने आंखों की रोशनी खो चुके कवियों नें अनूठे कवि सम्मेलन में मन की आंखों से एक से बढ़कर शानदार कविताओं का पाठ किया. प्रेस क्लब सभागार तालियों की गडगहाट से गूंजता रहा.

सम्मेलन की शुरुआत मथुरा-वृंदावन से आये देश के दिग्गज कवि- रामखिलाडी स्वदेशी ने की. उन्होंने अपनी कविता में कहा - जिदंगी मेरी एक कहानी तो है, इस लहू में अभी तक रवानी तो है, मेरी आंखों में बेशक नही रोशनी, किंतु आंखों में दो बूंद पानी तो है. आगरा से आई प्रख्यात कवियत्री डॉ. आरिफा शबनम ने कहा- बताते है तुम्हें हम दोस्तों क्या देख पाते है, अंधेरे दिल में उम्मीदों के दीपक जगमगाते है, तुम अपनी आंख से रंगीनियां देखों जमाने

की, हमारी बंद आंखों से नजर घनश्याम आते हैं. फिर उन्होंने कहा

मैनें कोई सूरज, कोई तारा नही देखा किस रंग का होता है उजाला नहीं

देखा, सुनते है कि अपने ही थे घर लूटने वाले, अच्छा हुआ मैने यह तमाशा नही देखा. लखनऊ से आई कवियत्री पं विजय लक्ष्मी ने कहा- मैं जिंदगी को जिंदगी मुझको आजमाती रही, खुश हूं कभी यह जिंदगी मुझसे रुठ जाती है, पांव में पड़े है छाले चला जाता भी नही, एकदम से आगे बढ़कर दौड़ जाती जिंदगी. फिरोजाबाद से आये कवि खलील गुमनाम ने कहा- सच से मुंह मोड़ने से क्या होगा।

▶ ने झुकेगी लेखनी मेरी...

संचालन करते हुए कवि सत्येन वर्मा सत्येन ने कहा कि क्या खरीदेंगे हिम्मत तुम्हारी नही, आरती कुर्सीयों की उतारी नहीं झुकी न झुकेगी मेरी लेखनी, स्वाभिमानी है यह चाटूकारी नहीं. समारोह के अतिथि सुभाष खंडेलवाल, एस एन गोयल, पूर्व मंत्री दिलीप राजपाल, अजय चोरडिया थे. प्रारंभ में अतिथि का स्वागत कलमकार मंच के अध्यक्ष डॉ .पंकज विरमाल, संजय श्रीमाल, कैलाश खंडेलवाल, मुरली खंडेलवाल, सुखदेव खरबडीकर, अनीता पटेल ने किया. आभार सत्य-ज्योति फांउडेशन की सचिव ज्योति मेश्राम ने माना।